स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय
Swami Rama Himalayan University

REPORT OF ACHIEVEMENT

Year 2021- 2022

Swami Rama Himalayan University Annual Achievement Report

Introduction:

In the pages that follow, Swami Rama Himalayan University (SRHU) pleased to present its Annual Achievement Report for the transformative year 2021-22, a testament to our unwavering commitment to excellence, innovation, and community service.

i. Skill and Simulation Centre of Excellence (SSCE):

A hallmark achievement of the past year has been the establishment of the Skill and Simulation Center of Excellence (SSCE). This fully accredited, state-of-the-art medical training facility stands as a beacon of educational advancement. Through simulation-based education, SRHU is not only enhancing the practical skills of our students but also pioneering a new era in medical training, ensuring that our graduates are equipped to excel in the dynamic landscape of healthcare.

SSCE is first Skills & Simulation Lab in Uttarakhand, to provide state of art health care education. The skill and simulation Center is committed to supporting and participating in offering high quality education to individuals and assisting in their preparation to be effective and compassionate health care providers in accordance with standards established nationally.

Media coverage and Images from the inauguration ceremony attached (page 2)

Swami Rama Himalayan University
Registrar

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

www.livehindustan.com

गुरुवार
3 नवंबर 2022, देहरादून

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ाकर एक्स श्रेणी कर दी गई है

सीएम और नीति आयोग के सदस्य ने संयुक्त रूप से एनसीएचपीई का किया शुभारंभ

चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत: मुख्यमंत्री

उद्घाटन

डोईवाला, संवाददाता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर खास ध्यान देने की जरूरत है। आज के मेडिकल छात्रों से ही भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर तय होगा। लिहाजा गुणवत्तापरक शिक्षा पद्धति से ही आने वाले समय में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीकि विकास से क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। लेकिन रोगियों के उपचार में चिकित्सकों को मानवीय पहलुओं का भी ध्यान रखना जरूरी है। मुख्यमंत्री बुधवार को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जौलीग्रांट में 13वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन-2022 के शुभारंभ मौके पर बोले रहे थे।

मुख्यमंत्री ने चिकित्सा, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए एसआरएचयू जौलीग्रांट के कार्यों की सराहना की। कहा कि विवि ने अपनी एक खास पहचान बनाई है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल और कुलपति डॉ.विजय धस्माना ने संयुक्त रूप से कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। इस दौरान एसआरएचयू में नवनिर्मित अत्याधुनिक स्किल्स एंड सिम्युलेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लैब का भी उद्घाटन किया। यह अपनी तरह की यह पहली लैब होगी, जिसमें छात्रों को मानव शरीर की बजाय पहले एक डमी पर कई प्रयोग करने का मौका मिलेगा।

विशिष्ट अतिथि डॉ. वीके पॉल ने कहा कि बीते कई सालों के मुकाबले देश ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की की है। कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने कहा कि विवि पर राष्ट्र की एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। संस्थान मेडिकल प्रोफेशनल्स को तैयार कर रहा है। इसलिए सभी को अपने-अपने क्षेत्र में कुशलता से कार्य करके योगदान देना चाहिए। कुलपति डॉ. धस्माना ने सीएम धामी और डॉ.विजेंद्र चौहान ने डॉ.वीके पॉल को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से 300 से ज्यादा डेलीगेट और 75 से ज्यादा रिसोर्स फैकल्टी सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। डॉ.ज्योति द्विवेदी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में प्रति कुलपति डॉ.विजेंद्र चौहान, डॉ. अंशु, डॉ.शिराज मोहम्मद अली, डॉ.अशोक देवराड़ी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.एसएल जेठानी, डॉ.रेनू धस्माना, डॉ.जूही, डॉ.संजॉय आदि मौजूद रहे।

हिमालयन हॉस्पिटल में बुधवार को स्किल्स एंड सिम्युलेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लैब का लोकार्पण किया गया। • हिन्दुस्तान

Figure 1: Inauguration of Skill and Simulation Centre of Excellence by Dr. VK Paul. Member NITI Ayog and Honourable Chief Minister of Uttarakhand Shri Pushkar Singh Dhami.

Swami Rama Himalayan University
Registrar

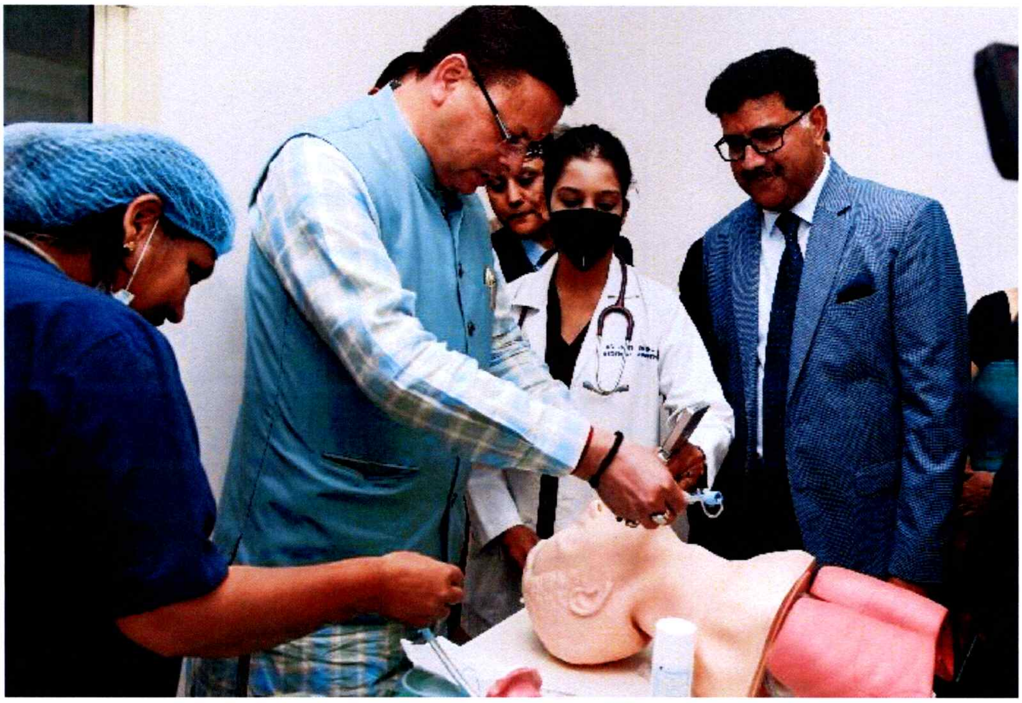

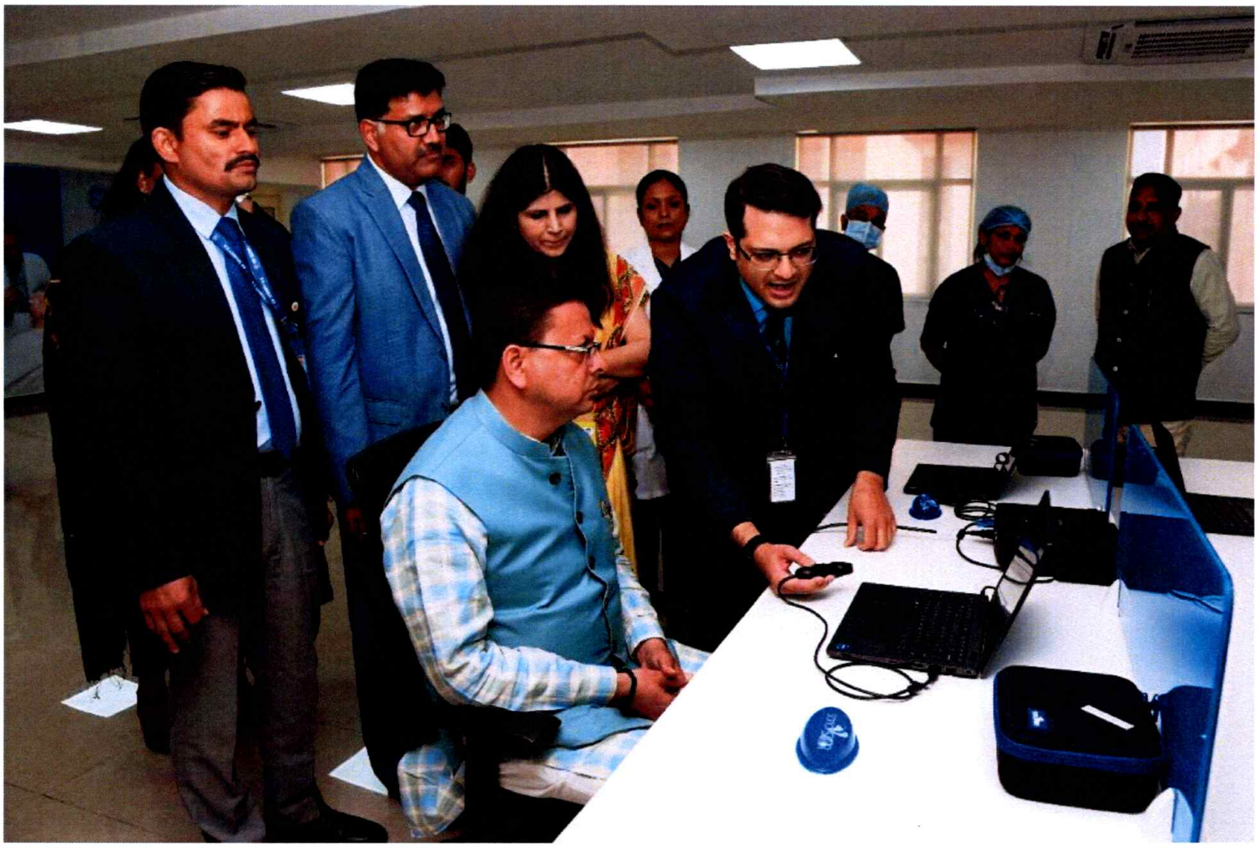

Figure2: CM Uttarakhand Shri Pushkar Dhami on a visit to the skill and simulation centre at the University

Swami Rama Himalayan University
Registrar

ii. **Inauguration of the New Emergency and Trauma Block**: Underscoring our commitment to providing world-class healthcare facilities, SRHU inaugurated a new Emergency and Trauma Block. This state-of-the-art facility is poised to become a hub for critical care, serving as a lifeline during emergencies and traumatic situations. This development reflects our dedication to advancing medical infrastructure for the benefit of our community.

Media Coverage and Images from the inauguration of Emergency & Trauma Block

देहरादून, मंगलवार
13 दिसंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16
www.jagran.com

दैनिक जागरण

खुदरा महंगाई घटी, अनाज 11.45% महंगा 13 | मोदिक व मेसी... किसका सपना होगा अधूरा 14

हिमालयन हास्पिटल में 30 बेड का नया इमरजेंसी भवन तैयार

नए भवन का उद्घाटन करते कुलपति विजय धस्माना ●जागरण

संवाद सहयोगी, डोईवाला : हिमालयन हास्पिटल में अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मानक व अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 30 बिस्तरों के नए आपातकालीन भवन का लोकर्पण किया गया है।

इस अवसर पर हिमालयन हास्पिटल जौलीग्रांट में कुलपति डा विजय धस्माना ने बताया कि नए इमरजेंसी भवन का अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मानकों के तहत निर्माण किया गया है। रोगियों को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवा मिल सके इसके लिए हास्पिटल की स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार इजाफा किया जा रहा है। हास्पिटल में उत्तराखंड ही नहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब व अन्य राज्यों से मरीज उपचार के लिए आते हैं।

इस दौरान इमरजेंसी विभागाध्यक्ष डा अनीता शर्मा, डा. डीसी जोशी, कुलसचिव डा. सुशीला शर्मा, डा. सुनील सैनी, डा. मुश्ताक अहमद, डा. अशोक देवराड़ी, डा. आरएस सैनी, डा. मुक्ता, नर्सिंग अधीक्षक रीना हाबिल, अरविंद कुमार, योगेश कुमार आदि मौजूद थे।

Figure3: Inauguration of the new emergency and trauma block at the University's teaching Hospital

Swami Rama Himalayan University
Registrar

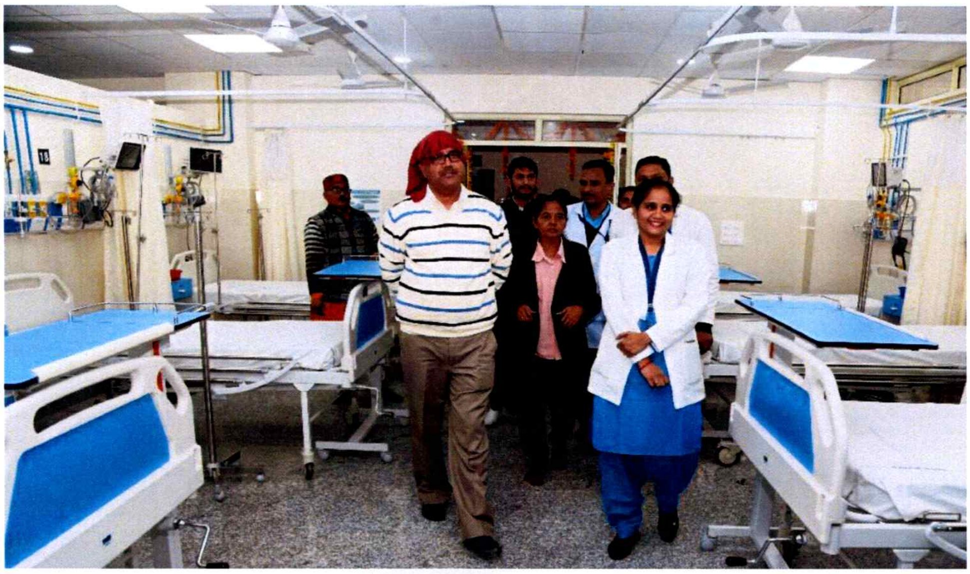

Figure 4: Inauguration of the new emergency and trauma block at the University's teaching Hospital.

iii. **Establishment of New Respiratory OPD and ICU**: As part of our ongoing efforts to address evolving healthcare needs, SRHU introduced a new Respiratory Outpatient Department (OPD) and Intensive Care Unit (ICU). This initiative not only expands our specialized medical services but also positions SRHU at the forefront of respiratory care, especially considering the challenges posed by recent global health concerns.

अमर उजाला

रेस्पिरेटरी मेडिसीन ओपीडी भवन का उद्घाटन किया

संवाद न्यूज एजेंसी

हिमालयन अस्पताल में कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने किया उद्घाटन

डोईवाला। हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में सोमवार को रेस्पिरेटरी मेडिसीन ओपीडी के नए भवन का उद्घाटन कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने किया।

कहा कि मरीजों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए अस्पताल में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाया जा रहा है। सोमवार को कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने रेस्पिरेटरी मेडिसीन ओपीडी उद्घाटन अवसर पर कहा कि बीते कुछ सालों में सांस और छाती रोगियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।

उपचार के लिए आए रोगियों की वेटिंग लिस्ट और मांग को देखते हुए रेस्पिरेटरी मेडिसीन ओपीडी का नया भवन तैयार किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. राखी खंडूड़ी ने बताया कि भवन में फेफड़ों की जांच के लिए ब्रांकोस्कॉपी की एंडो ब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड तकनीक के साथ विभिन्न अत्याधुनिक मशीनों से लैस है। इसके साथ ही मरीजों के उपचार के लिए एक साथ चार ओपीडी का संचालन किया जा सकेगा।

इससे मरीजों को परामर्श और उपचार के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उद्घाटन अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसएल जेठानी, डॉ. अशोक देवराड़ी, डॉ. मुश्ताक अहमद, डॉ.सुशांत खंडूड़ी, डॉ. वरूणा जेठानी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. आरएस सैनी आदि मौजूद थे।

Figure 5: Media reports covering inauguration of the new Respiratory ICU unit

Swami Rama Himalayan University
Registrar

अमर उजाला

देहरादून
शुक्रवार, 28 अक्तूबर 2022

वर्ष 26 अंक 243 पृष्ठ 10+4+16

amarujala.com | दिवाली समारोह | सुनक बोले-ऐसा ब्रिटेन बनाएंगे जहां हमारे बच्चे, पोते दीप जला सकें...10 | उत्तराखंड

रेस्पिरेटरी आईसीयू को मिला नया भवन

संवाद न्यूज एजेंसी

डोईवाला। हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में रेस्पिरेटरी (श्वसन तंत्र) इंटेसिव केयर यूनिट के नए भवन का उद्घाटन कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने किया। कहा कि मरीजों को उच्चस्तरीय सुविधाएं देने का हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है।

बृहस्पतिवार को कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने नए भवन का उद्घाटन करते हुए जन स्वास्थ्य को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि बीते कई सालों से श्वास और छाती रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ है। उपचार के लिए आए रोगियों की वेटिंग लिस्ट और मांग को देखते हुए रेस्पिरेटरी आईसीयू को नया भवन तैयार किया गया है।

बताया कि मरीजों को बेहतर और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं अस्पताल उपलब्ध करा रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. राखी खंडूड़ी ने बताया कि 14 बिस्तरों का नवनिर्मित अत्याधुनिक रेस्पिरेटरी आईसीयू भवन में तीन बिस्तरों का आइसोलेशन वार्ड भी तैयार किया गया है।

रेस्पिरेटरी आईसीयू फेफड़ों की जांच के लिए ब्रांकोस्कॉपी की एंडो ब्रोंकियल अल्ट्रासाउड तकनीक के साथ विभिन्न अत्याधुनिक मशीनों से लैस है। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसएल जेठानी, डॉ. मुश्ताक अहमद, डॉ.आरएस सैनी, डॉ. सुशांत खंडूडी, डॉ.वरूणा जेठानी और डॉ. मनोज कुमार आदि थे।

हिमालयन अस्पताल में आईसीयू का उद्घाटन करते कुलपति डॉ. विजय धस्माना। संवाद

Figure 6: Media reports covering inauguration of the new Respiratory ICU unit

Swami Rama Himalayan University
Registrar

iv. **Collaborations and Educational Initiatives:**

a. **MOU with IIT Roorkee :** SRHU fostered collaboration with IIT Roorkee through a Memorandum of Understanding (MOU), creating avenues for interdisciplinary research and academic exchange. Furthermore, the past year witnessed a series of educational workshops conducted by eminent faculty and academicians, enriching the academic experience and fostering a culture of continuous learning.

दैनिक जागरण

www.jagran.com

आइआइटी व एसआरएचयू के बीच हुआ करार

संवाद सहयोगी, डोईवाला: स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जौलीग्रांट के छात्र-छात्राएं भी अब इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आइआइटी) रुड़की में उपलब्ध सभी तकनीकी सुविधाओं एवं शैक्षणिक संसाधनों का लाभ ले सकेंगे। एसआरएचयू और आइआइटी रुड़की के मध्य इस संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही शोध व तकनीक के क्षेत्र में एसआरएचयू व आइआइटी रुड़की संयुक्त रूप से काम करेंगे।

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आइआइटी) रुड़की के साथ हुए एमओयू के बाद स्वामी राम हिमालयन वि.वि. (एसआरएचयू) के कुलपति डा. विजय धस्माना (दाएं से दूसरे) • सौजन्य एसआरएचयू

आइआइटी रुड़की में हुए इस कार्यक्रम में आइआइटी रुड़की के 175 वर्ष समारोह समिति के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि एमओयू होने के बाद आइआइटी रुड़की अनुसंधान नवाचार और विकास क्षेत्र में एसआरएचयू जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों को सहयोग करेगा। साथ ही आइआइटी की फैकल्टी एसआरएचयू में जाकर वहां के छात्र-छात्राओं को गेस्ट लेक्चर देगी।

एसआरएचयू के कुलपति डा. विजय धस्माना ने कहा कि इस साझेदारी से एसआरएचयू में अध्ययनरत विभिन्न कालेजों के छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। चिकित्सा को और सुलभ व सस्ता बनाने के लिए डाक्टर-इंजीनियर मिलकर ऐसे उपकरणों का निर्माण करने की दिशा में काम करेंगे, जिससे लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस दौरान आइआइटी के प्रो. संजीव मनहास, प्रो. मनोरंजन परिदा, प्रो. विवेक मलिक, चेयरमैन एआईसीटीई प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे, बीवीआर मोहन रेड्डी, प्रो. एके चतुर्वेदी की आनलाइन उपस्थिति रही, जबकि एसआरएचयू से प्रति कुलपति डा. विजेंद्र चौहान, कुलसचिव डा. सुशीला शर्मा, डा. मुश्ताक अहमद आदि मौजूद रहे।

एसआरएचयू से जुड़े हैं देश-दुनिया के कई नामी प्रतिष्ठित संस्थान : एसआरएचयू का कंपनी आइबीएम (इंटरनेशनल बिजनेस मशीन), इंटरनेशनल बिजनेस कालेज (आइबीसी) डेनमार्क, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आइआइटी) रुड़की, ग्लोबल हेल्थ एलायंस (जीएचए) यूनाइटेड किंगडम, लौरिया फिनलैंड की यूनिवर्सिटी आफ एप्लाइड साइंसेज, जर्मनी की रोस्टाक यूनिवर्सिटी, उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (यूसैक) के साथ करार है।

Figure 7: Media Coverage & Images - MOU with IIT Roorkee for Promotion of Research

Swami Rama Himalayan University
Registrar

स्वतंत्र चेतना

एसआरएचयू के स्टूडेंट्स को मिलेगा लाभ, आईआईटी रुड़की के साथ किया एमओयू

आईआईटी रुड़की के 175 वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया समारोह आयोजित

Figure 8: Media Coverage & Images - MOU with IIT Roorkee for Promotion of Research

Registrar, Swami Rama Himalayan University

b. Conference on Latest Advancements in Oncological Treatment

Cancer Center at SRHU is one of the biggest centres in Uttarakhand to provide all services related to cancer treatment like surgery, chemotherapy, radiation under one roof. Cancer Center plays a pivotal role in treatment of cancer for patients all over Uttarakhand and nearby states. The focus is on use of latest technology to diagnose and treat patients. The conference was held to generate awareness about latest oncological treatments which are to be utilised for providing better patient care.

अमर उजाला

देहरादून
बुधवार, 14 दिसंबर 2022

amarujala.com | मोदी बोले | भारत अमर बीज, बिना किसी याचना के दुनिया को दिखा रहा राह...10 | उत्तराखंड

कैंसर उपचार की तकनीक पर चर्चा

हिमालयन अस्पताल के कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट में कार्यशाला आयोजित

कैंसर तकनीक को लेकर आयोजित कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

डोईवाला। हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट के कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट ने कैंसर के उपचार में उभरती तकनीक व विधि को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसमें तकनीक के सहारे कैंसर के उपचार को ज्यादा बेहतर बनाने पर विचार किया गया।

डॉ. सुनील सैनी ने कहा कि कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। इसके उपचार की रेडिएशन तकनीक पहले से काफी बेहतर हुई है। मरीज के उपचार का लक्ष्य केवल बीमारी से निजात दिलाना ही नहीं है बल्कि यह है कि उपचार के बाद रोगी बेहतर और आरामदायक जीवन जी पाए।

उन्होंने बताया कि हिमालयन अस्पताल का कैंसर विंग में 2008 से सर्जरी, कीमोथेरेपी और विकिरण जैसी सभी ऑन्कोलॉजिकल सेवाएं प्रदान करने वाला उत्तराखंड का पहला केंद्र है। आयोजन समिति के सचिव डॉ. विपुल नौटियाल ने बताया कि कॉफ्रिंस में एम्स ऋषिकेश, राजीव गांधी कैंसर अनुसंधान संस्थान, मेदांता मेडिसिटी गुरुग्राम, मैक्स अस्पताल दिल्ली और देहरादून जैसे विभिन्न संस्थानों से सर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी से विशेषज्ञ व चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया।

कॉन्फ्रेंस में विशेष रूप से कैंसर के उपचार में सहायक स्टेरोटैक्टिक विकिरण और रेडियोथेरेपी तकनीकों को कैसे लागू किया जाना चाहिए। इस क्षेत्र की चुनौतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। यहां डॉ. मीनू गुप्ता, डॉ. विनय कुमार, डॉ. मुश्ताक अहमद और डॉ. एसके वर्मा मौजूद रहे।

Figure 9: Media Report of Conference on Advancement in Oncological Treatment

Swami Rama Himalayan University
Registrar

https://epaper.loksatya.com

वर्ष: 08 अंक: 151
देहरादून
पौष, कृष्ण पक्ष, षष्ठी, विक्रमी संवत् 2079
बुधवार, 14 दिसंबर, 2022
मूल्य: 3.00 कुल पृष्ठ: 12

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोकसत्य

उत्तर प्रदेश • उत्तराखण्ड • चंडीगढ़ • दिल्ली से प्रकाशित

सत्य के संग, असत्य से जंग

05 दाम्पत्य सूत्र में बंधे 86 जोड़े | मुख्यमंत्री को वंदेभारत के उद्घाटन की सूचना ही नहीं 07 | नोरा के आरो

कैंसर के उपचार के लिए उभरती हुई नवीनतम तकनीक पर मंथन

- **हिमालयन हॉस्पिटल के कैंसर रिसर्च इंस्टिट्यूट की ओर से कार्यशाला आयोजित**

डोईवाला, लोकसत्य।

हिमालयन हॉस्पिटल जॉलीग्रांट के कैंसर रिसर्च इंस्टिट्यूट की ओर से कैंसर के उपचार में उभरती तकनीक व विधि को लेकर एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने कहा कितकनीक के सहारे कैंसर के उपचार को औ बेहतर किया जा सकता है।

कैंसर रिसर्च इंस्टिट्यूट विभाग की ओर से देहरादून स्थित एक होटल में आयोजित कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ.सुनील सैनी ने कहा कि कैंसर तेजी से बढ़ रहा है हालांकि कैंसर के उपचार की रेडिएशन

तकनीक पहले से काफी बेहतर हुई है। मरीज के उपचार का लक्ष्य केवल बीमारी से निजात दिलाना ही नहीं है, बल्कि यह है कि उपचार के बाद रोगी बेहतर और आरामदायक जीवन जी पाए।

डॉ.सैनी ने बताया कि हिमालयन हॉस्पिटल का कैंसर विंग में 2008 से सर्जरी, कीमोआयोजन समिति के सचिव डॉ.विपुल नौटियाल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में एम्स ऋषिकेश, राजीव गांधी कैंसर अनुसंधान संस्थान, मेदांता मेडिसिटी गुरुग्राम, मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली और देहरादून जैसे विभिन्न संस्थानों से सर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी से विशेषज्ञ व चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया।डॉ.विपुल नौटियाल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में विशेष रूप से कैंसर के उपचार में सहायक स्टेरोटैक्टिक विकिरण और रेडियोथेरेपी तकनीकों को कैसे लागू किया जाना चाहिए व इस क्षेत्र की चुनौतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। स्टीरियोटैक्टिक रेडिएशन, रेडिएशन का एक रूप है जिसमें बिना किसी चीरे और सर्जरी के आप ट्यूमर कोशिकाओं को अलग कर सकते हैं।कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन में डॉ.मीनू गुप्ता, डॉ.विनय कुमार आदि ने सहयोग दिया। डॉ.मुश्ताक अहमद, डॉ.एसके वर्मा, डॉ.अंकित बत्रा, डॉ.राजेंद्र डोभाल आदि मौजूद रहे।

Figure 10-: Media Report of Conference on Advancement in Oncological Treatment

Swami Rama Himalayan University
Registrar

c. Seminar On Intellectual Property Rights (IPR)

The seminar was organised to create awareness among faculty and students regarding creation of patents and laws related to patents. Focus was on innovation and promotion of entrepreneurship through generation of new ideas.

अमर उजाला

देहरादून

कारोबार सब्जी व अनाज ने बढ़ाई महंगाई, 8वें माह भी आरबीआई के दायरे से ज्यादा उत्तराखंड

बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी दी

एसआरएचयू में सेमिनार में मेडिकल, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग के 175प्रतिभागी हुए शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

डोईवाला। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय में यूकोस्ट के सहयोग से इंटेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकार और इसके महत्व के विषय में जानकारी दी गई।

सेमिनार में मेडिकल, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, नर्सिंग, योग विज्ञान, बायो साइंस के डीन और फैकल्टी, शोध छात्र-छात्राएं सहित 175 प्रतिभागी शामिल हुए। सोमवार को विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने किया। कुलपति ने कहा कि हमारे यहां पारंपरिक ज्ञान का भंडार है।

लेकिन आमजन को पेटेंट संबंधित कानूनों की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क प्रक्रिया में वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को देखते हुए इन अधिकारों के बारे में सजग रहने की जरूरत है। प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली के डॉ. यशवंत देव पंवार ने

एसआरएचयू मे आयोजित बौद्धिक संपदा कार्यक्रम में विचार रखते विशेषज्ञ। संवाद

कहा कि बौद्धिक संपदा को दिमागी उपज कहा जाता है, इसका उपयोग अविष्कारकर्ता ही कर सकता है।

बताया कि व्यक्ति संस्था द्वारा सृजित कोई रचना, संगीत, साहित्यिक कृति, कला, खोज अथवा डिजाइन होती है जो उस व्यक्ति अथवा संस्था की बौद्धिक संपदा कहलाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों की ओर से आईपीआर के बारे में अधिक जागरूकता की आवश्यकता है। क्योंकि वे युवा दिमाग को विकसित करते है जो सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को बढ़ाने के साथ-साथ आईपीआर के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए माध्यम बन सकते हैं।

सेमिनार में प्रति कुलपति डॉ. विजेंद्र चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. सुशीला शर्मा, डीन रिसर्च डॉ. विनीता कालरा, निदेशक प्लानिंग एंड रिसर्च डेवलपमेंट डॉ. राजेंद्र डोभाल उपस्थित रहे।

Figure 11: Media Report of Seminar on Intellectual Property Rights conducted by the University

Swami Rama Himalayan University
Registrar

d. SRHU Imposes Ban on Single Use Plastic:

Sustainability Initiatives: In a pivotal move towards environmental consciousness, the University has imposed a ban on single-use plastic within its campus. Simultaneously, we pioneered the creation of a plastic bank, encouraging the community to actively participate in plastic waste management. This commitment to sustainability aligns with our ethos of responsible citizenship and environmental stewardship.

Environmental protection continues to be the one of the important goals at the University with emphasis on creation of Plastic Banks and allowing for no laxity in this regard. With the objective of scientific disposal of plastic waste, the first of the Plastic Banks was inaugurated by the Vice Chancellor Dr Vijay Dhasmana, Shri Anoop Nautiyal, founder of Social Development for Communities (SDC); and Dr Indrajit Ghosh, Scientist at the Indian Institute of Petroleum, Council of Scientific and Industrial Research.

Figure 12: Inauguration of the Plastic Bank Project at the University

Swami Rama Himalayan University
Registrar

Figure 13 : Inauguration of the Plastic Bank Project at the University

Figure 14: Inauguration of the Plastic Bank Project at the University

Swami Rama Himalayan University
Registrar

Figure 15: Shri Anoop Nautiyal, founder Social Development for Communities, addresses students at SRHU on the significance of purposeful and enduring collective action, to save Planet Earth from plastic menace.

Figure 16: Vice Chancellor Dr Vijay Dhasmana receives the 'Certificate of Recognition' for commitment to the cause of 'Plastic Banks' by Shri Anoop Nautiyal, founder Social Development for Communities; and Dr Indrajit Ghosh, Scientist at the Indian Institute of Petroleum, Council of Scientific and Industrial Research.

Each accomplishment serves as a steppingstone toward a future where knowledge transforms lives, healthcare thrives, and sustainable practices shape our collective journey.

Swami Rama Himalayan University
Registrar